

11 कार्यालय प्रभागीय वनाधिकारी, बदीनाथ वन प्रभाग, गोपेश्वर 11

पत्रांक 5306 / 12-1.

दिनांक, गोपेश्वर, मई 28 / 2022

सेवा में,

वन संरक्षक,
गढ़वाल वृत्त, उत्तराखण्ड,
पौड़ी।

विषय:-

जनपद चमोली में आलयू से चलियापानी तक मोटर मार्ग निर्माण हेतु 1.383 हे० वनभूमि का गैर वानिकी कार्य हेतु लोक निर्माण विभाग को प्रत्यावर्तन किये जाने के सम्बन्ध में।

संदर्भ:-

भारत सरकार पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय का पत्रांक 08बी/यू०सी०पी०/०६/१३७/२०२१/एफ०सी०/१८१४ दिनांक ३१.०३.२०२२.

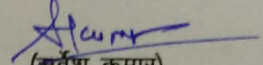
महोदय,

उपरोक्त संदर्भित पत्र से विषयांकित मोटर मार्ग के वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव में भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय देहरादून द्वारा निम्न कमियों के निराकरण हेतु प्रस्ताव वापस किया गया, के अनुपालन में अधिशासी अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, थराली ने अपने पत्र सं० 165/36 सी० दिनांक 14.08.2022 से कमियों का निराकरण कर इस कार्यालय को प्रेषित किया गया है:-

क्र. सं.	भारत सरकार द्वारा चाही गई सूचना	आख्या
1.	यह पाया गया है कि वर्तमान मार्ग से लाभान्वित ग्राम आलयू की पैदल दूरी 500 मी० है, इस सम्बन्ध में राज्य सरकार प्रयोक्ता अभिकरण PWD के Norms के अनुसार ग्राम को जोड़ने हेतु नियमों के सम्बन्ध में जानकारी तथा टिप्पणी प्रस्तुत करने का कष्ट करे।	लोक निर्माण विभाग द्वारा अवगत कराया गया है कि शासनादेश संख्या 8167/III(2)/18-15(सामान्य)2018 दिनांक 2018 के अनुसार 100 मी० Vertically की दूरी पर ग्राम सड़क से जुड़ा माना जाता है। ग्राम आलयू की वर्तमान मार्ग से पैदल दूरी 500मी० है। ग्रामवासियों को यह पैदल दूरी लगभग तीखे ढाल(चड़ाई व उतराई) में तय करनी पड़ती है जो कि 100 मी० Vertical से अधिक है। ग्रामवासियों की मांग के आधार पर उक्त कार्य की वित्तीय स्वीकृति कार्यालय जिला अधिकारी चमोली के पत्रांक 1233/जि०ओ०/2015716 दिनांक 11/08/2105 रू० 2.00 लाख (प्रथम चरण) द्वारा स्वीकृति प्राप्त है।
2.	प्रस्ताव के अवलोकन उपरान्त यह ज्ञात होता है कि क्षेत्र में पूर्व से ही मार्ग उपस्थित है तथा घने वन क्षेत्र से अतिरिक्त मार्ग का औचित्य स्पष्ट नहीं है।	लोक निर्माण विभाग थराली द्वारा अवगत कराया गया है कि मोटर मार्ग का निर्माण ग्राम आलयू से चलियापानी तक किया जाना है चलियापानी नामक स्थान मोटर मार्ग नारायणबगड़ परखाल-चोपता पर स्थित है जो कि MTRL (Major Road Link) की श्रेणी में है तथा दूसरा मोटर मार्ग परखाल नामक स्थान से ग्राम जुंघ्री आलयु तक जाता है, इस मोटर मार्ग के End Point से ग्राम आलयु की दूरी लगभग 500मी० है। प्रस्तावित मोटर मार्ग के निर्माण का उद्देश्य नजदीकी Existing Road के End point को ग्राम आलयू होते हुए चलियापानी नामक स्थान (मोटर मार्ग नारायणबगड़ परखाल-चोपता) से जोड़ना है क्योंकि यह मार्ग आगे जाकर NH-58 से जुड़ता है व इससे ग्राम आलयू की महत्वपूर्ण स्थलों जैसे जिला मुख्यालय चमोली राजधानी देहरादून की दूरी कम हो जायेगी। वही अगर ग्राम आलयू को नजदीकी Existing Road से जोड़ा जाता है तो ऐसा होने से ग्राम आलयू की महत्वपूर्ण स्थलो से दूरी लगभग 50-60 किमी० अधिक हो जायेगी। साथ ही ग्राम आलयू के निवासियों को चलियापानी आने के लिये घने वन क्षेत्र से गुजरना पड़ता है। जिससे जंगली जानवर, भालू, बाघ आदि के आक्रमण का खतरा बना रहा है। अतः उक्त प्रस्ताव का गठन ग्राम आलयू को चलियापानी नामक स्थान (मोटर मार्ग नारायणबगड़ परखाल चोपता) को जोड़ने हेतु गठित किया गया है, तथा प्रस्तावित समरेखण के अतिरिक्त कोई अन्य समरेखण निर्माण की दृष्टि से उपयुक्त प्रतीत नहीं होता है, क्योंकि अन्य समरेखणो पर वृक्षों की संख्या, वन भूमि, व भूस्खलन स्थल अधिक मात्रा में आ रहे है।

<p>3. प्रस्ताव में वैकल्पिक समरेखण में भी उचित परीक्षण नहीं किया गया है अतः राज्य सरकार प्रस्तावित Connectivity हेतु वैकल्पिक समरेखण का उचित परीक्षण कर पूर्ण जानकारी प्रेषित करने का कष्ट करे।</p>	<p>लोक निर्माण विभाग, थराली द्वारा अवगत कराया गया है कि मोटर मार्ग का निर्माण ग्राम आलयू से चलियापानी तक किया जाना है। चलियापानी नामक स्थान मोटर मार्ग नारायणबगड़ परखाल चोपता पर स्थित है तथा दूसरा मोटर मार्ग परखाल नामक स्थान से ग्राम डुंग्री होते हुए ग्राम आलयू तक जाता है। प्रस्तावित मोटर मार्ग के निर्माण का उद्देश्य नजदीकी Existing Road के End Point को ग्राम आलयू होते हुए चलियापानी नामक स्थान (मोटर मार्ग नारायणबगड़-परखाल-चोपता) से जोड़ना है, क्योंकि यह मार्ग आगे जाकर NH-58 से जुड़ता है, व इससे ग्राम आलयू की महत्वपूर्ण स्थलों जैसे मुख्यालय चमोली, राजधानी देहरादून की दूरी कम हो जायेगी। साथ ही प्रथम(मुख्य)समरेखण में मोटर मार्ग के निर्माण से ग्राम डुंग्री के निवासियों को भी लाभ मिलेगा, जो कि वर्तमान में पूर्व निर्मित मार्ग (नारायणबगड़-परखाल-डुंग्री) का प्रयोग कर रहे हैं और उन्हें भी महत्वपूर्ण स्थलों में आवागमन हेतु काफी दूरी तय करनी पड़ती है। इसके अतिरिक्त वैकल्पिक समरेखण का नजदीकी Existing Road से कहीं भी मिलान नहीं हो रहा है। जिससे ग्राम डुंग्री के निवासियों को इसका लाभ नहीं मिल पाएगा। साथ ही दोनों समरेखण का विस्तृत तुलनात्मक विवरण ऑनलाईन अपलोड कर लिया गया है।</p>
---	---

भवदीय,

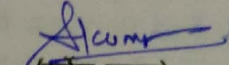

(सर्वेश कुमार)

प्रभागीय वनाधिकारी,
बद्रीनाथ वन प्रभाग, गोपेश्वर।

पत्रांक:- 5306 / 12-1 दिनांकित।

प्रतिलिपि:- अधिशासी अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, थराली को उपरोक्तानुसार सूचनार्थ प्रेषित।

o/c


(सर्वेश कुमार)

प्रभागीय वनाधिकारी,
बद्रीनाथ वन प्रभाग, गोपेश्वर।